

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ०प्र० लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद—संत कबीरनगर।

पत्र सं०: एस०पी०एम०यू० / एन०एच०एम० / एस०एस०—विजिट / 2019—20/3971 दिनांक 01-08-19
विषय— दिनांक 17 से 20 जुलाई ' 2019 तक राज्य स्तरीय दल द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या प्रेषण।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल द्वारा दिनांक 17.07.2019 से दिनांक 20.07.2019 तक आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपसे अनुरोध है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुए 01 सप्ताह में अनुपालन आख्या प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्न: यथोक्त

भवदीय,

६७

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पत्र सं०: एस०पी०एम०यू० / एन०एच०एम० / एस०एस०—विजिट / 2019—20/3971-6 तददिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ०प्र०।
2. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद संत कबीरनगर।
3. समस्त महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ०प्र० लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल बस्ती।
5. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन०एच०एम०, बस्ती।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन०एच०एम०, जनपद, संत कबीरनगर को इस निर्देश के साथ कि पत्र के साथ संलग्न आख्या का अनुपालन करा कर ससमय अनुपालन आख्या इस कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

०६

(डा० उषा गंगवार)
महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य

जनपद संत कबीर नगर की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या

भ्रमणकर्ता अधिकारी :- डा० निशांत गौरव भारद्वाज, उपमहाप्रबंधक, एस.पी.एम.यू.-एन.एच.एम., लखनऊ।
श्री विनीत सिंह, सलाहकार, एस.पी.एम.यू.-एन.एच.एम., लखनऊ।

भ्रमण दिनांक :- 17 जुलाई से 20 जुलाई, 2019

ब्लाक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र- पौली

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
- प्रसव कक्ष में NBCC नहीं बना है। रेडियंट वार्मर नर्स ड्यूटी रूम में रखा हुआ है। - प्रसव कक्ष में ए०सी० नहीं लगाया गया है। - स्वास्थ्य केन्द्र पर दो LA तैनात है परन्तु कोई LT तैनात नहीं है। - स्वास्थ्य केन्द्र पर मोबाईल तथा इंटरनेट नेटवर्क कनेक्टिविटी अत्यन्त खराब है। डाटा इंट्री आपरेटर द्वारा खलीलाबाद जाकर डाटा इंट्री का कार्य किया जा रहा है। - प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि रोगी कल्याण समिति का नवीनीकरण जुलाई 2019 में हो गया है। इस वित्तीय वर्ष में शासी निकाय व कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित नहीं की गयी है। - रोगी कल्याण समिति के संबंध में BCPM को कोई उत्तरदायित्व नहीं दिया गया है। - जे०एस०एस०के० डाईट रजिस्टर में 10 मई से 28 जून तक डाईट रिकार्ड अपडेट नहीं है। - जे०एस०एस०के० सेवा प्रदाता एजेन्सी द्वारा भोजन में सिर्फ दूध तथा ब्रेड दी जा रही है। - स्वास्थ्य केन्द्र के अन्तर्गत 12 उपकेन्द्र है। 5 उपकेन्द्र में वित्तीय वर्ष 2018-19 में अन्टाइड फण्ड की धनराशि व्यय नहीं की गयी है। BPM व BAM द्वारा अवगत कराया गया कि SBI घनघटा के शाखा प्रबंधक के असहयोग के कारण ए०एन०एम० के हस्ताक्षर बदले नहीं जा पा रहे हैं। - ए०एन०सी० व प्रसव रजिस्टर पर लाभार्थियों के MCTS क्रमांक अंकित नहीं किये जा रहे हैं। - चिकित्सालय में उपलब्ध 108/102 के रजिस्टर को एम्बुलेंस के कर्मचारियों द्वारा भरा जा रहा है। रजिस्टर पर स्वास्थ्य केन्द्र के किसी अधिकारी/कर्मचारी के हस्ताक्षर नहीं हैं। - चिकित्सालय में खड़ी 102 एम्बुलेंस यू०पी०-55जी० 0142 कुल 386902 किमी चल चुकी है। एम्बुलेंस के कर्मचारियों द्वारा DBR/PCR की प्रति चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं करायी जा रही है।	- रेडियंट वार्मर को प्रसव कक्ष में अतिशीघ्र स्थापित कराने का सुझाव प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया गया। - प्रसव कक्ष में ए०सी० की व्यवस्था हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी से अनुरोध किया गया। - LT तैनात करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी से अनुरोध किया गया। - नेटवर्क कनेक्टिविटी हेतु महाप्रबंधक बी०एस०एन०एल० के साथ पुनः पत्राचार करने का सुझाव दिया गया। - रोगी कल्याण समिति की बैठकें नियमित रूप से कराने का सुझाव दिया गया। - रोगी कल्याण समिति की बैठक, अभिलेखीकरण व कार्ययोजना की प्राथमिक जिम्मेदारी BCPM को देने का सुझाव दिया गया। - डाईट रिकार्ड को नियमित अपडेट करने का सुझाव दिया गया। - मुख्य चिकित्साधिकारी से चर्चा की गयी। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि नया टेंडर किया जा रहा है। - SBI घनघटा के शाखा प्रबंधक के असहयोग के बारे में एल०डी०एम० व जिलाधिकारी के साथ पत्राचार करने का सुझाव मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया गया। - ए०एन०सी० व प्रसव रजिस्टर पर लाभार्थियों के MCTS क्रमांक अंकित किये जाने का सुझाव प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया गया। 102 व 108 रजिस्टर स्वास्थ्य केन्द्र स्टाफ द्वारा ही भरा जाने का सुझाव उपस्थित स्टाफ व प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया गया। - राज्य स्तर से प्रेषित निर्देशों के अनुसार एम्बुलेंस की नियमित रूप से जाँच करायी जाने तथा उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता सुनिश्चित कराये जाने का सुझाव प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया गया।

	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि 9 पुरानी एम्बुलेंस को कंडम करने का प्रस्ताव सेवा प्रदाता एजेन्सी को भेजा गया है।
- स्वास्थ्य केन्द्र व एम्बुलेंस के कर्मचारियों द्वारा अवगत कराया गया कि 102 सेवा का फोन बीएसएनएल व एअरटेल के फोन से नहीं लगता है। - स्वास्थ्य केन्द्र में स्थापित कोल्ड चेन प्वाइंट कार्यशील नहीं है। ILR खराब है। वर्तमान में वैक्सीन हैसर बाजार कोल्ड चेन प्वाइंट से ली जा रही है। - BPM व BCPM द्वारा किये जा रहे सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण की आख्या नहीं बनायी जा रही है।	- महाप्रबंधक ई0एम0टी0एस अनुभाग को अवगत कराया गया। - मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया।
- टी0बी0 कार्ड पूर्ण रूप से नहीं भरे जा रहे हैं। जुलाई माह में निरीक्षण के समय तैक बलगम की समस्त जॉच निगेटिव आई। इसके अतिरिक्त टी0बी0 नोटिफिकेशन लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षाकृत कम था। - स्वास्थ्य केन्द्र में BCG का बर्थ डोज सभी बच्चों को नहीं दिया जा रहा है। टीकाकरण हेतु कम से कम तीन बच्चे होने की दशा में ही BCG वैक्सीन का वायल खोला जाता है।	- BPM व BCPM को राज्य स्तर से प्रेषित निर्देश के अनुसार नियमित रूप से सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करने एवं भ्रमण आख्या प्रभारी चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने का सुझाव दिया गया। - जनपद स्तर पर मुख्य चिकित्साधिकारी के अध्यक्षता में की गई समीक्षा बैठक में एस0टी0एल0एस0 तथा एस0टी0एस0 की समंवेदीकरण किया गया। LT तैनात करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी से अनुरोध किया गया। - सभी बच्चों को BCG का बर्थ डोज लगाने का सुझाव दिया गया।

उपकेन्द्र- शिवबखरी ब्लाक -पौली

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
- उपकेन्द्र का भवन जर्जर स्थिति में है। बरसात में छत से पानी टपकता है। - उपकेन्द्र में इस वित्तीय वर्ष में 14 प्रसव कराये गये हैं। सीलन बहुत अधिक साफ-सफाई न होने, रनिंग वाटर न होना, टायलेट ब्लाक होना, विद्युत की उचित व्यवस्था न होने के कारण प्रसव के दौरान इन्फेक्शन होने का खतरा अधिक है।	- मुख्य चिकित्साधिकारी को सूचित भी किया गया। - व्यवस्था होने तक उपकेन्द्र में प्रसव न कराये जाने का सुझाव दिया गया

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रोस्या बाजार

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
- हेल्थ वेलनेस सेंटर पर बाहरी ब्रांडिंग करायी गयी है। - प्रसव कक्ष में कैलिस पैड पंचर था तथा आक्सीटोसिन इंजेक्शन खुले में रखा था।	- हेल्थ वेलनेस सेंटर को यथाशीघ्र कियाशील कराये जाने का सुझाव मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को दिया गया। - प्रभारी चिकित्साधिकारी को प्रसव कक्ष में मानक के अनुसार उपकरणों की व्यवस्था किये जाने का सुझाव दिया गया तथा आक्सीटोसिन को फ्रिज में रखने का सुझाव दिया गया।

● प्रसव कक्ष तथा वार्ड में इवर्टर का कनेक्शन नहीं है। ● वेटिंग एरिया में पंखे नहीं हैं। ● चिकित्सालय में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। ● चिकित्सालय में मरीजों हेतु कोई भी शौचालय कियाशील नहीं है। ● चिकित्सालय में बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण हेतु एजेंसी द्वारा सेवा प्रदान नहीं की जा रही है। ● चिकित्सालय में उपलब्ध 108/102 के रजिस्टर को एम्बुलेंस के कर्मचारियों द्वारा भरा जा रहा है। एम्बुलेंस के कर्मचारियों द्वारा DBR/PCR की प्रति चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। ● 102 एम्बुलेंस UP 41 GB 2041 का ए0सी0 खराब है।	● प्रसव कक्ष, तथा वार्ड में इवर्टर का कनेक्शन कराने का सुझाव दिया गया। ● वेटिंग एरिया में पंखों की व्यवस्था कराने तथा इवर्टर का कनेक्शन का सुझाव दिया गया। ● चिकित्सालय में पीने के पानी की व्यवस्था कराये जाने का सुझाव दिया गया। ● चिकित्सालय में शौचालयों की मरम्मत करा यथाशीघ्र कियाशील कराने का सुझाव दिया गया। ● बायोमेडिकल वेस्ट हेतु हायर एजेंसी की सेवाएं उपलब्ध करायी जाने का अनुरोध मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से किया गया। ● 102 व 108 रजिस्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्टाफ द्वारा ही भरा जाने तथा राज्य स्तर से प्रेषित निर्देशों के अनुसार एम्बुलेंस की नियमित रूप जाँच करायी जाने का सुझाव संबंधित स्टाफ व प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया गया।
---	---

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम- आगनवाड़ी केन्द्र, प्राथमिक विद्यालय पडरिया ब्लाक -पौली

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
● विद्यालय में आर0बी0एस0के0 की टीम ए उपस्थित थी। ● आगनवाड़ी केन्द्र में 58 बच्चे पंजीकृत हैं जिसमें से 52 बच्चे उपस्थित थे। ● एक बच्चे को caries हेतु रेफर किया गया। ● रजिस्टर में बच्चों के अभिभावक के Contact No का कालम नहीं भरा जा रहा था।	● संतोषजनक ● संतोषजनक ● रजिस्टर में समस्त सूचनाएं अंकित करने का सुझाव टीम को दिया गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मगहर

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
● स्वास्थ्य केन्द्र नगर पंचायत के भवन में संचालित है जिसका किराया नगर पंचायत को दिया जा रहा है। चिकित्सालय के भवन की स्थिति व साफ सफाई अच्छी थी। स्वास्थ्य केन्द्र की औसत ओ0पी0डी0 150 मरीज प्रतिदिन है। ● स्वास्थ्य केन्द्र में गत माह में 6 प्रसव कराये जा चुके हैं। स्टाफ नर्स एस0बी0ए0 या दक्षता में प्रशिक्षण प्राप्त नहीं है।	- ● प्रभारी चिकित्साधिकारी व शहरी स्वास्थ्य समन्वयक को सुझाव दिया गया कि प्रसव कक्ष में तैनात सभी स्टाफ नर्स को आवश्यक प्रशिक्षण(एस0बी0ए0 या दक्षता) प्रदान कराया जाये।

- नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का पंजीकरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में किया जा चुका है, परन्तु बायो मेडिकल वेस्ट एजेंसी द्वारा वेस्ट कलेक्शन की व्यवस्था अभी नहीं है। वर्तमान में बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नगर पंचायत द्वारा किया जा रहा है। - चिकित्सालय परिसर में नगर पंचायत द्वारा शौचालय काम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया है तथा इसका रखरखाव भी कराया जा रहा है - नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के रूप में चिन्हित किया गया है। बाहरी ब्रांडिंग कार्य हो चुका है। कम्प्यूटर व प्रिंटर उपलब्ध है। प्रिंटर में स्कैनर नहीं है। - प्रभारी चिकित्साधिकारी का प्रशिक्षण एन0सी0डी0 में हो चुका है तथा उनके द्वारा डायबिटीज, हाईपरटेन्सन व ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग की जा रही है। - नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में टी0बी0 की जांच नहीं हो रही है। - चिकित्सालय में कंडोम बाक्स नहीं है।	- मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से स्वास्थ्य केन्द्र पर बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की उचित व्यवस्था कराये जाने का अनुरोध किया गया। - हेल्थ वेलनेस सेंटर हेतु प्रिंटर विद स्कैनर उपलब्ध कराये जाने का सुझाव मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को दिया गया। - ए0एन0एम0, स्टाफ नर्स व आशा का एन0सी0डी0 प्रशिक्षण यथाशीघ्र कराये जाने का अनुरोध मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से किया गया। - फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियन का इस हेतु प्रशिक्षण कराये जाने व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को डाट केन्द्र के रूप में विकसित करने का सुझाव मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को दिया गया। - कंडोम बाक्स लगाने का सुझाव दिया गया।
---	--

जिला महिला चिकित्सालय, संत कबीर नगर-

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
- ए0एन0सी0 रजिस्टर व प्रसव पंजिका में गर्भवती महिला की आर0सी0एच0 आई0डी0 अंकित नहीं की जा रही है। - ओ0टी0 में आपरेशन टेबल की हाईड्रोलिक खराब है तथा GA Trolley Para-1 है। - एन0आर0सी0 में गत माह 96 बच्चों को भर्ती किया गया। - पीकू में हाई वोल्टेज के कारण 2 वेंटीलेटर, 5 इनफ्यूजन पंप व 6 मानीटर खराब हो गये हैं। - एई0एस0-जे0ई0 के 04 मरीजों की लैब जाँच लंबित थी। - एस0एन0सी0यू0 में 3 मानीटर व आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर खराब है। एक्स रे मशीन उपलब्ध है परन्तु इसका उपयोग नहीं हो रहा है। - एस0एन0सी0यू0, पीकू व एन0आर0सी0 में एक शिफ्ट में एक ही चिकित्सक की ड्यूटी रहती है तथा एस0एन0सी0यू0 व पीकू में एक ही सर्पोट स्टाफ तैनात है।	- आर0सी0एच0 आई0डी0 अंकित करने का सुझाव दिया गया। - आपरेशन टेबल व GA Trolley बदलने हेतु संबंधित से पत्राचार करने का अनुरोध किया गया। - खराब उपकरणों को शीघ्र ठीक कराने व स्टैबलाईजर लगाने का सुझाव दिया गया। - मुख्य चिकित्साअधिक्षक को आवश्यक कार्यवाही हेतु अवगत कराया गया। - खराब उपकरणों को शीघ्र ठीक कराने का सुझाव दिया गया। - एस0एन0सी0यू0 व पीकू हेतु अलग-अलग सर्पोट स्टाफ की तैनाती किये जाने का अनुरोध मुख्य चिकित्साअधिक्षक महोदय से किया गया।

- रोगी कल्याण समिति की कार्यकारी समिति की बैठक की जा रही है परन्तु शासी निकाय की बैठक नहीं हुई है। अनटाईड फंड का कोई व्यय इस वित्तीय वर्ष में नहीं किया गया है। - जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत गत वर्ष के 266 लाभार्थियों की भुगतान धनराशि कमिट करायी गयी थी। जिसमें से 22 लाभार्थियों को भुगतान किया जा चुका है तथा 28 का भुगतान प्रक्रियान्तर्गत है। 100 बेडड एम0सी0एच0 विंग का निर्माण पूर्ण हो गया है परन्तु हस्तांतरण की कार्यवाही लंबित है।	- रोगी कल्याण समिति द्वितीय की शासी निकाय की बैठक नियमित रूप से प्रत्येक त्रैमास में कराने का सुझाव दिया गया। - जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत गत वर्ष के लाभार्थियों की ब्लाक वार सूची बनाकर मुख्य चिकित्साधिकारी के माध्यम से ब्लाक स्तरीय प्रभारी चिकित्साधिकारियों को प्रेषित किये जाने का सुझाव दिया गया। जिससे फार्म में पायी जा रही कमियों को दूर कराया जा सके।
---	---

ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस- बडगो , उपकेन्द्र-बडगो, ब्लाक - खलीलाबाद

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
- सत्र स्थल पर एन0एम0एम0 एवं आशा उपस्थित थी तथा टीकाकरण किया जा रहा था। ड्रयू लिस्ट उपलब्ध थी। - हीमोग्लोबिन टेस्ट स्ट्रिप मई 2019 में expire हो गयी थी - सत्र स्थल पर ए0एन0सी0 हेतु गोपनीयता तो थी परन्तु बेंच या तख्त की व्यवस्था नहीं थी। ए0एन0सी0 चटाई पर की जा रही थी। - सत्र स्थल पर बाहर रखी पोलियो वैक्सीन का VVM 4th grade था।	- हीमोग्लोबिन टेस्ट स्ट्रिप उपलब्ध कराने हेतु सुझाव दिया गया। - प्रसव पूर्व जाँच हेतु बेंच या तख्त की व्यवस्था करने का सुझाव ए0एन0एम0 को दिया गया। - ए0एन0एम0 को ऐसी वैक्सीन को discard करने का सुझाव दिया गया व डी0आई0ओ0 को अवगत कराया गया।

शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस- पठानटोला

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
- सत्र स्थल पर एन0एम0एम0 एवं आशा उपस्थित थी तथा टीकाकरण किया जा रहा था। ड्रयू लिस्ट उपलब्ध थी। - सत्र स्थल पर ए0एन0सी0 हेतु गोपनीयता थी - गृह भ्रमण के दौरान संज्ञान में आया कि एक महिला श्रीमती जोखना, का गत वर्ष गर्भपात हो गया था। फिर से गर्भवती होने के बाद भ्रांतिवश वह टीकाकरण नहीं करा रही थी।	राज्य भ्रमण दल द्वारा श्रीमती जोखना व उनकी सास को उनके घर जाकर प्रेरित किया गया व भ्रान्तियों को दूर कर ए0एन0सी रजिस्ट्रेशन व टी0टी0 टीकाकरण कराया गया।

भ्रमण उपरान्त मुख्य चिकित्साधिकारी, की अध्यक्षता में समस्त नोडल अधिकारी, मुख्य चिकित्साधीक्षक व अन्य कार्यक्रम अधिकारियों, एन0एच0एम0 के समस्त जनपद अधिकारियों के साथ बैठक कर भ्रमण के उपरोक्त बिंदुओं पर चर्चा की गयी तथा मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया।

क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जुलाई माह तक निःक्षय नोटिफिकेशन 2385 के लक्ष्य के सापेक्ष 1253 है जोकि अत्यंत असंतोषजनक है। इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में जिला क्षय रोग अधिकारी व जनपद के समस्त एस0टी0एस0 एवं एस0टी0एल0एस0, डी0पी0सी0 एवं पी0पी0एम0 के साथ समस्त इंडीकेटरो पर समीक्षा बैठक कर सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये।

31/07/19

31/07/19